

मुसलमान होने के लाभ

रेटिंग:

विवरण: ?? ??????? ?? ??? ????? ?? ????? ?? ?? ?? ??????? ?? ??????? ????? ???????

श्रेणी: [पाठ](#) > [बढ़ती आस्था](#)

द्वारा: Aisha Stacey (© 2015 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य:

·इस्लाम के सभी पहलुओं में अर्थ की गहराई को पहचानना।

·यह समझना और सराहना करना कि इस्लाम समय के साथ खुद को कैसे प्रकट करता है; किसी व्यक्ति की समझ के स्तर और उसकी बढ़ती जरूरतों के अनुसार।

अरबी शब्द:

·?????? - यह संसार, परलोक के संसार के विपरीत।

·?????? - परलोक, मृत्यु के बाद का जीवन।

·???? - (एकवचन - आयत) आयत शब्द के कई अर्थ हो सकते हैं। इसका लगभग हमेशा अल्लाह से सबूत के बारे में इस्तेमाल किया जाता है। इसके अर्थों में शामिल है सबूत, छंद, सबक, संकेत और रहस्योद्घाटन।

·???? - (बहुवचन - हदीसें) यह एक जानकारी या कहानी का एक टुकड़ा है। इस्लाम में यह पैगंबर मुहम्मद और उनके साथियों के कथनों और कार्यों का एक वर्णनात्मक रिकॉर्ड है।

जीवन का तरीका यानि इस्लाम धर्म में परिवर्तित होने के बाद, नए मुसलमानों ने स्पष्ट रूप से उन लाभों को देखा है। इनमें विपत्तियों और समस्याओं का सामना करने में भी शांति और खुशी प्राप्त करने में सक्षम होना, जीवन के अर्थ को समझना और अल्लाह के साथ संबंध स्थापित करना शामिल है। हालांकि कुछ समय के लिए इस्लाम में



रहने के बाद इन लाभों के गहरे आयाम और अर्थ आते हैं जो पहली नज़र में नहीं देखे जाते हैं। मुसलमान होने के कुछ लाभ तब तक पूरी तरह से प्रकट नहीं होते हैं जब तक कि कोई व्यक्ति खुद को एक ऐसी जीवन शैली में शामिल नहीं कर लेता है जो नरिमाता को प्रसन्न करने पर केंद्रित है। इस पाठ में हम उन लाभों पर करीब से नज़र डालेंगे जो समय के साथ धीरे-धीरे दखिते हैं।

1. अल्लाह के साथ एक गहरा और स्थायी संबंध

इस्लाम सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य सृष्टिकर्ता की पूजा करना है। इसलिए इस्लाम में परिवर्तित होने और अल्लाह को प्रसन्न करने और उसके मार्गदर्शन का पालन करने के सभी प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने से विश्वासी उस रश्ते को मजबूत करने में सक्षम होते हैं जो धर्मांतरण के समय बना था। उस महत्वपूर्ण दिन जो आंतरिक शांति और धीरज मिला था वो एक स्थायी खुशी बन जाती है जो किसी इच्छाओं का पालन करके या भौतिक संपत्ति जमा करके नहीं बनाए रखी जा सकता है। सच्चा संतोष अब केवल सृष्टिकर्ता की आराधना करने और उसकी आज्ञा मानने से ही मिलता है।

“...वास्तव में, दलि अल्लाह के स्मरण से संतुष्ट होते हैं” (कुरआन 13:28)

2. नरिमाता की प्रकृति की एक शुद्ध अवधारणा

इस्लाम की नींव एक ईश्वर की पूजा करना है। अल्लाह अतुलनीय और अद्वितीय है इस प्रकार आस्तिक न केवल इसे स्वीकार करता है बल्कि वह अल्लाह की पूर्ण पूर्णता और महानता की गहराई को समझता है। यह समझ सभी मनुष्यों में नहित है और बहुत से लोग इस्लाम में परिवर्तित हो जाते हैं क्योंकि इस्लामी जीवन शैली इस विश्वास को प्रोत्साहित और मजबूत करती है। समय के साथ आस्तिक अल्लाह के बारे में और अधिक सीखता है और उसके नाम और विशेषताओं को समझना शुरू कर देता है और नरिमाता की प्रकृति को अपनी रोजमर्रा की जरूरतों में एकीकृत करने में सक्षम होता है।

“और अल्लाह ही के शुभ नाम है, अतः उसे उन्हीं के द्वारा पुकारो...” (कुरआन 7:180)

3. जीवन का एक स्पष्ट दृष्टिकोण

इस्लाम एक विश्वासी को अपने जीवन की घटनाओं को जीवन के समग्र उद्देश्य के संदर्भ में समझने के लिए प्रोत्साहित करता है। दुनिया को हमारे नरिमाता ने परलोक के आनंदमय जीवन की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए बनाया है। अल्लाह हमें सलाह देता है कि हम अपने परीक्षणों और समस्याओं को

धैर्यपूर्वक सहन करें। यह पहली बार में मुश्किल लग सकता है लेकिन जैसे-जैसे कोई समझने लगता है, वह वास्तव में इस तथ्य के साथ सामंजस्य स्थापित कर लेता है कि इस दुनिया में जो कुछ भी होता है वह अल्लाह की अनुमति से होता है और वह जो कुछ भी करता है उसके पीछे उसका ज्ञान और एक कारण होता है। अल्लाह की अनुमति के बिना कोई भी शादी खत्म नहीं होती और कोई भी बर्ज़िनेस खत्म नहीं होता। हमारे सभी मामलों के लिए धैर्य और कृतज्ञता संतुलित जीवन का सूत्र है।

पैगंबर मुहम्मद (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने कहा: "आस्तिक के मामले कतिने अद्भुत हैं, क्योंकि उसके सभी मामले अच्छे हैं। यदि उसके साथ कुछ अच्छा होता है, तो वह उसके लिए आभारी होता है और यह उसके लिए अच्छा है। अगर उसके साथ कुछ बुरा होता है, तो वह उसे धैर्य के साथ सहन करता है और यह भी उसके लिए अच्छा है।"^[1]

4. सबूत पर आधारित एक आस्था

इस्लाम सबूत पर आधारित एक आस्था है। यह लोगों को जीवन, प्रेम और ब्रह्मांड जैसे बड़े प्रश्नों पर विचार करने के लिए अपना दिल और दमिग खोलने के लिए प्रोत्साहित करता है। ईश्वर ने दुनिया में संकेत दिए हैं जो उसकी और उसकी रचना के आश्चर्य की ओर इशारा करते हैं। कुरआन हमें दृश्यमान संकेतों को देखने और उनके बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे आस्था और निश्चिंता बढ़ती है।

ये संकेत कई हैं और सभी के लिए दृश्यमान हैं और देख सकते हैं। पृथ्वी, आकाश, सूर्य, चंद्रमा, पशु, वर्षा, मानव शरीर के चमत्कारी कार्य, पारस्थितिकी तंत्र की प्रकृति... ये सभी और बहुत कुछ एक निर्माता की ओर इशारा करते हैं। इस्लाम में परिवर्तित होने के बाद इन रोजमर्रा के चमत्कारों की सराहना की जाती है और किसी की आस्था और विश्वास में वृद्धि होती है।

हमने खुली आयतें (कुरआन) अवतरित कर दी हैं और अल्लाह जसि चाहता है, सुपथ दिखा देता है।"

(कुरआन 24:46)

5. जवाबदेही और न्याय

जसि तरह प्रत्येक व्यक्ति को अल्लाह के संकेतों को देखने और विचार करने की क्षमता दी गई है, उन्हें सही और गलत के बीच चयन करने की भी स्वतंत्र इच्छा दी गई है। इस्लाम सिखाता है कि अल्लाह सबसे न्यायी है और न्याय के दिन लोगों को उनके कामों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा और अल्लाह उसका हिसाब लेगा। जब कोई व्यक्ति इस्लाम में परिवर्तित होता है, तो एक लाभ जो तुरंत समझ में नहीं आता है, वह यह है कि अल्लाह ने हमें अपने पापों की क्षमा मांगने के लिए कतिने तरीके दिए हैं या वह एक ईमानदार आस्तिक को कतिने मौके देता है। कई छंद और हदीस हैं जो हमें बताती हैं कि अंतमि हिसाब के लिए खुद को कैसे तैयार किया जाए और जैसे ही हम उन्हें खोजते हैं अल्लाह की दया और क्षमा लुभावनी हो जाती है।

पैगंबर मुहम्मद ने कहा: "अल्लाह आस्तकि को अपने करीब लाएगा और नज्दी तौर पर उससे पूछेगा 'क्या आपने यह पाप किया है? क्या आपने वह पाप किया है?' आस्तकि उत्तर देगा, 'हां ऐ ईश्वर,' जब तक कि उसके सभी पापों के बारे में न पूछ लिया जाये, और वह सोचेगा कि वह बर्बाद हो गया है। तब अल्लाह कहेगा 'मैंने तुम्हारे पापों को तुम्हारे जीवन में छुपाया था, और मैं आज तुम्हारे पापों को क्षमा कर दूंगा।' फिर उसे उसके अच्छे कामों की पुस्तक दी जाएगी।"^[2]

6.जीवन का एक समग्र तरीका

इस्लाम जीवन का एक समग्र तरीका है। इस्लाम एक जीवन शैली है, न कि वह धर्म जो केवल सप्ताहांत या त्योहारों के मौसम में मनाया जाता है। मानवजात की जन्मजात जरूरतों और इच्छाओं को ध्यान में रखते हुए जीवन को आध्यात्मिक और नैतिक तरीके से व्यवस्थित किया जाता है। इस्लाम के सिद्धांत कुरआन और पैगंबर मुहम्मद की प्रामाणिक परंपराओं से मिले हैं और रहस्योद्घाटन के ये दो स्रोत जीवन के लिए एक मार्गदर्शक, या एक मैनुअल हैं। इस्लाम हमें पूरे व्यक्तित्व के बारे में चिंतित होना सिखाता है। यह हमें अपनी शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक जरूरतों को ध्यान में रखना सिखाता है और हमें सभी मामलों में सर्वोत्तम मार्गदर्शन प्रदान करता है।

ईश्वर के मार्गदर्शन और आज्ञाओं का पालन करके, हम धैर्य और कृतज्ञता के साथ परीक्षाओं और समस्याओं, और बीमारी और घाव का सामना करने में सक्षम होते हैं। जैसा कि एक व्यक्ति अधिक से अधिक समय जीवन जीने के तरीके में बताता है जो कि इस्लाम है, उतना ही वे यह देखने में सक्षम होते हैं कि इस्लाम के मार्गदर्शन का पालन हमें उस दिशा में कैसे ले जाता है जो हमारी सभी जरूरतों को पूरा करता है।

फुटनोट:

[1]

???? ????????

[2]

???? ????????, ????? ????????

इस लेख का वेब पता

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/290>

